हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 25 अगस्त 2025

11 अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला...

12 कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा आज विश्व की...

छात्रों को मिलेगा रचनात्मकता दिखाने का अवसर

ऊर्जा संरक्षण पेंटिंग : 1 लाख रुपये, एक लैपटॉप, स्वर्ण पदक व सपरिवार गुजरात भ्रमण का पुरस्कार ले सकेंगे प्रतिभागी

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

विद्युत मंत्रालय भारत सरकार विद्यालयों में ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हरियाणा, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के विद्यालयों में स्कूल स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता 2025 का आयोजन कर रहा है। इस संदर्भ में विभाग के निदेशक मानव संसाधन एवं नोडल अधिकारी राजीव शाही ने निर्देश जारी करते हुए लिखा कि छात्रों के लिए विद्युत मंत्रालय भारत सरकार ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के माध्यम से एक स्कूल, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इस प्रतियोगिता में छात्रों को अपनी रचनात्मकता का दिखाने का और कला के माध्यम से देश के स्थाई भविष्य में योगदान देने का अवसर मिलेगा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी कलात्मकता का परिचय देते हुए ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के क्षेत्र में बड़े पुरस्कार जीत सकते हैं। विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के सबसे पहले स्कूलों को भारत सरकार की वेबसाइट www.paintings.beeindia.gov.in पर पंजीकरण करना होगा। स्कूली प्रतियोगिता को दो घंटे के चित्रकला सत्र में आयोजित किया जाएगा। ग्रुप ए में कक्षा पांचवी, छठी और सातवीं के विद्यार्थी भाग लेंगे तथा ग्रुप बी में आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। स्कूल प्रत्येक समूह में से दो पेंटिंग का चयन करेंगे और उन्हें पावती संख्या के साथ 25 अक्टूबर 2025 तक नोडल अधिकारी राजीव शाही चंडीगढ़ कार्यालय को भेज देंगे। स्कूल को अपने प्रतिभागियों की सूची विभाग के पोर्टल पर अपलोड करने रहेगी।

ये हैं पुरस्कार

राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र के प्रतियोगिता के विजेताओं का प्रथम पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 30 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार के रूप में मिलेंगे 20 हजार

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता

ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 11 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। ढाई घंटे के ऑन द स्पॉट सेशन में इस प्रतियोगिता का आयोजन नई दिल्ली में किया जाना प्रस्तावित है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की प्रतियोगिता के प्रत्येक ग्रुप के तीन शीर्ष विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस 14 दिसंबर 2025 को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख, नगद, एक लैपटॉप और एक स्वर्ण पदक मिलेगा। दूसरे पुरस्कार के विजेता प्रतिभागी को 50 हजार की नकद राशी, एक लैपटॉप और एक रजत पदक की प्राप्ति होगी। तीसरे पुरस्कार के लिए 30 हजार नगद, एक लैपटॉप और एक कांस्य पदक प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा 10 प्रशंसा पुरस्कार जोकि 15000 प्रत्येक एवं एक-एक टैबलेट प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर के विजेता प्रतिभागियों को जनवरी 2026 में अभिभावकों सहित गुजरात भ्रमण पर भी ले जाया जाएगा।

प्रोत्साहन राशि

राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की प्रतियोगिता में भाग लेने वाले ग्रुप ए और बी के 50 चयनित विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह, 2000 की प्रोत्साहन राशि, एक भागीदारी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक विद्यार्थी और दो अभिभावकों को स्लीपर क्लास/एसी चेयरकार/थर्ड एसी का रेल किराया या राज्य रोडवेज बस की किराया की प्रतिपूर्ति दी जाएगी। प्रत्येक समूह के तीन शीर्ष विजेता अगले स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में दूसरा चरण राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र प्रतियोगिता का रहेगा। यह प्रतियोगिता 20 नवंबर 2025 को दो घंटे के ऑन द स्पॉट पेंटिंग्स सत्र में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में चयनित स्कूलों के ए और ग्रुप बी के प्रतिभागियों को आमंत्रित किया जाएगा। राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र के प्रतियोगिता के विजेताओं का प्रथम पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 30 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार के रूप में 20 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा 7500 रूपये प्रत्येक के 10 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

आर्मी के रिटायर कैप्टन से मारपीट

नारनौल। थार सवार युवकों ने एक गाड़ी को रास्ते में रोककर आर्मी से रिटायर कैप्टन के साथ मारपीट करने व उसकी पत्नी का मंगलसूत्र छिनने का मामला सामने आया है। इस बारे में राजस्थान के रिटायर आर्मी कैप्टन झुंझुनूं जिला के गांव बड़ी पचेरी निवासी महेंद्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी कार में अपनी पत्नी व गांव झगड़ोली निवासी युवक के साथ बैठकर झगड़ोली में शोक सभा में बैठकर जयपुर के लिए जा रहे थे। रास्ता भूलने के कारण वह नांगल चौधरी के गांव अकबरपुर से भुंगारका की ओर चल दिए। जिस पर उन्होंने सामने से आ रहे एक ट्रक ड्राइवर से रास्ता पूछने की कोशिश की, तो थार गाड़ी ड्राइवर ने पीछे से होर्न बजाया।

खबर संक्षेप

होटल में आए युवक से की मारपीट

नारनौल। होटल मे आए युवक के साथ कुछ युवाओं की ओर से मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस बारे में पुलिस को दी शिकायत में गांव रघुनाथपुरा के रहने वाले संदीप ने बताया कि वह किसी काम से पुरानी कचहरी के पास बने एक होटल में आया था। वहां वह नीचे होटल के ऑफिस में बैठा हुआ था। वहां पर गांव बसीरपुर का कुलदीप युवक भी बैठा था। उसने फोन करके अपने भाई पियूष को वहां बुला लिया। जिसके बाद दोनों भाइयों ने उसके साथ मारपीट की। वहां पर उनके कुछ अन्य साथी भी आ गए। सभी ने उसके साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। मारपीट के बाद वह गाड़ी व बाइक पर बैठकर वहां से चले गए। इसके

बुचोली स्कूल में निकाली नशामुक्त जागरूकता रैली

महेंद्रगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुचोली में राष्ट्रीय मुहिम तंबाकू मुक्त पीढ़ी की ओर चुनौती के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की भागीदारी जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया। प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया गया। प्राचार्य ने बच्चों को तंबाकू से होने वाले नुकसान के बारे में बताया और कहा कि इस अभियान का उद्देश्य छात्रों और समुदाय में तम्बाकू के उपयोग से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

महेंद्रगढ़। स्टेशन मास्टर प्रदीप कुमार टेकाड़िया को ज्ञापन सौंपते हुए।

साधारण वंदे भारत चलाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। रेलवे बोर्ड की ओर से दिल्ली से बीकानेर तक नई वंदे भारत ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही हैं। यह ट्रेन दिल्ली से वाया, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, लोहारू, सादलपुर, चुरू, रतनगढ़ से होते हुए बीकानेर जाएगी। दैनिक रेलयात्री महासंघ के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने रविवार को प्रधानमंत्री व रेलमंत्री के नाम रेलवे के उच्च अधिकारियों के नाम का एक ज्ञापन स्टेशन मास्टर प्रदीप कुमार टेकाड़िया को सौंपा।

जिला कार्यकारिणी को मेरठ में किया सम्मानित

मंडी अटेली। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा की बैठक मेरठ आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष दारासिंह प्रजापति थे। बैठक में महेंद्रगढ़ के जिला प्रधान विजय सिंह जाटगुवाना व उनकी टीम को जिले में संगठन को अनुशासन व प्रजापति समाज के शिक्षित बच्चों को आगे बढ़ाने में सहयोग के लिए सम्मानित किया। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के जिला अध्यक्ष व राष्ट्रीय सचिव विजय सिंह जाटगुवाना ने दी जानकारी।

जिले में बीते दो दिनों में औसतन करीब 50 एमएम बारिश

जिले में अच्छी बारिश से फसलों में कहीं फायदा तो कहीं नुकसान की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

जिले में गत दो दिनों में औसतन करीब 50 एमएम बारिश से जहां एक तरफ उमसभरी गर्मी से आमजन को राहत मिली है। वहीं दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में जोरदार बारिश से खेतों में पानी जमा होने से नुकसान की संभावना बन रही है। इसके साथ ही पछेती फसलों के लिए यह बारिश लाभदायक मानी जा रही है। जिससे किसानों के चेहरों पर खुशी व चिंता साफ दिखाई देने लग गई है। गत 24 घंटे में नारनौल में 33.5 एमएम, महेंद्रगढ़ में 50.5 एमएम, कनीना में 50 एमएम, अटेली में 36.5 एमएम, नांगल चौधरी में 34.5 एमएम, सतनाली में 21.0 एमएम बारिश दर्ज की गई।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर एक बार फिर से मानसून सक्रिय बना हुआ है। सम्पूर्ण इलाके पर हल्की से मध्यम बारिश व बूंदाबांदी देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में गिरावट जारी है। वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से पश्चिमी उत्तरी राजस्थान पर एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से मानसून टर्फ हरियाणा के स्टे राजस्थान पर बनी हुई हैं। जिसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मानसून सक्रिय बना हुआ है, साथ ही उत्तर पूर्वी, मध्यप्रदेश व आसपास के क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ था। जिससे अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने व इसके बाद धीरे धीरे कमजोर होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ माध्य समुद्र तल से 3.1 व 9.6 किलोमीटर ऊपर एक द्रोणिका के रूप में बना हुआ है, जो धीरे धीरे उत्तरी राजस्थान पर पहुंचने से मानसून टर्फ हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर पहुंचने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अगले दो तीन तीन दिनों तक बारिश की संभावना है।

कनीना। कनीना में रेवाड़ी रोड पर जमा बारिश का पानी। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। बूंदाबांदी से अटेली अनाज मंडी में जमा पानी। *फोटो : हरिभूमि*

बोले मौसम विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ के दिन व रात का तापमान क्रमशः 27.0, 24.5 डिग्री सेल्सियस और 28.0, 23.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में मौसम सुहावना बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर किसान भाइयों की फसलों में जीवनदायिनी बारिश से फायदा हुआ है, किसानों के चहरे खिले हुए है।

अटेली क्षेत्र में दो दिन से बूंदाबांदी जारी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में पिछले दो दिनों से बूंदाबांदी जारी है। जिससे तापमान में काफी हद तक कमी आई है। वहीं दूसरी ओर से बारिश से किसानों के चेहरों पर चिंता साफ झलक रही है। अटेली क्षेत्र में बाजरे की फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार है। इस बूंदाबांदी से खड़ी फसल को नुकसान की संभावना है। किसान तेजप्रकाश ने बताया बाजरे की फसल पककर तैयार है। बाजरा औसतन 65 से 100 दिनों में पककर तैयार हो जाता है, यह किस्म पर निर्भर करता है। इस स्थिति में फसल की कटाई से पहले मौसम साफ होने का इंतजार करना होगा। बुंदाबांदी से बाजरे की फसल को नुकसान हो सकता है। खासकर अगर फसल पकने की अवस्था में हो या खेत में पानी जमा हो जाए। जिससे अंकुरण की समस्या आ सकती है।

कनीना में जलभाव

कनीना। कनीना क्षेत्र में रविवार को हुई 93 एमएम बारिश के बाद जगह जगह जलभराव हो गया। जिससे वाहन चालकों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कनीना महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे पर उन्हाणी गांव के समीप से गुजर रही रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी के लीकेज साइफन के स्थान पर सड़क के हालात बदतर हो गए।

नांगल चौधरी। खेतों में जलभराव से आड़ी पड़ी फसल। *फोटो : हरिभूमि*

बाजरे की 25 हजार एकड़ में खड़ी फसल को नुकसान

- पैदावार घटने व अनाज की क्वालिटी खराब होने के आसार
- 24 घंटे में हुई 80 एमएम बारिश से खेतों में हुआ जलभराव

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नांगल चौधरी के विभिन्न गांवों में बीते 24 घंटों से रूक रूककर बारिश हो रही है। खेतों में जलभराव होने से करीब 25 हजार एकड़ में खड़ी फसल को नुकसान होने का अंदेशा है। साथ ही आड़ी पड़ी फसल की पैदावार घटने व अनाज की क्वालिटी खराब होने का खतरा बढ़ गया। बता दें कि नांगल चौधरी हलके के अधिकांश गांवों नहरों से अटेच नहीं तथा कृषि बोरवेलों के जलस्त्रोत सूख गए। सिंचाई व्यवस्था के आभाव में किसानों ने खरीफ सीजन की फसलों को प्राथमिकता देना आरंभ कर दिया। नांगल चौधरी हलके के विभिन्न गांवों में 40 हजार एकड़ रकबे पर बाजरे की बिजाई होने का अनुमान है। 50 फीसदी रकबे पर अगेती बीजाई हुई थी, जो पककर तैयार हो चुकी। अधिकांश किसानों ने कटाई प्रक्रिया आरंभ कर दी, लेकिन इसी दौरान मानसून दुबारा से सक्रिय हो गया। बीते 24 घंटे में 80 एमएम से अधिक बारिश हो चुकी तथा अभी भी रूक रूककर हो रही है। सिट्टे में अनाज का वजन तथा खेत में जलभराव होने से फसल आड़ी गिरनी आरंभ हो गई। विभिन्न गांवों से मिली जानकारी के अनुसार 50 फसदी फसल खेतों में पसर गई और जिन किसानों ने लावणी कर ली थी, वहां सिट्टे पानी में डूब गए। जिस कारण अनाज की क्वालिटी और स्वाद खराब होने के आसार हो गए। किसानों ने 10 से 15 हजार प्रति एकड़ पर खर्चा करके बाजरे की फसल को तैयार किया था। इसी फसल से पशुचारा व अनाज का प्रबंध होना था।

टोल प्लाजा के पास गाड़ी रूकवाकर मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

- वारदात में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया
- पुलिस ने पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज कर की कार्रवाई शुरू

नांगल चौधरी क्षेत्र में नेशनल हाईवे नंबर 148बी पर सिरोही बहाली टोल प्लाजा के पास बोलेरो गाड़ी सवार युवकों ने दूसरी बोलेरो सवार युवक के साथ उसकी गाड़ी रुकवाकर मारपीट करने का आरोप है। इस वारदात में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मारपीट करने के बाद युवक वहां से फरार हो गए। इस बारे में युवक ने नांगल चौधरी थाना में शिकायत दी है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पांच नामजद युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव सिरोही बहाली के रहने वाले युवक सुमित सहरावत ने बताया कि वह कॉलेज में पढ़ता है। वह अपनी बोलेरो गाड़ी में सवार होकर अपने साथी मोहित, साहिल तथा नतेश को बैठाकर साहिल को उसके घर छोड़ने के लिए जा रहा था। इस दौरान टोल प्लाजा के पास नारनौल की ओर से एक बोलेरा गाड़ी आई। उसमें से राजवीर, विकास, लक्की, सोपू व जसू नाम के युवक निकले। उन्होंने अपने हाथों में लाठी डंडे व राड ली हुई थी। वे जब उसकी तरफ मारने आए तो उसने अपनी गाड़ी पीछे की तरफ दौड़ा दी। जो पीछे खड़े ट्रक में भी लगी। इस पर मोहित उतरकर भागने लगा तो उन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। जिससे उसके पैरों में काफी लगी। बाद में उन्होंने गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। इससे उसके हाथ पर भी लगी। यह सब देख वहां पर लोग जमा हो गए। जिसके कारण वे सभी को जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए।

बाल मार्गदर्शन व कल्याण क्लीनिक स्थापना आज

नारनौल। एमएलएस डीएवी पब्लिक स्कूल में 25 अगस्त सुबह 10 बजे जिले का पहला बाल मार्गदर्शन, परामर्श एवं कल्याण क्लीनिक की स्थापना की जाएगी। इस संबंध में स्कूल प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने बताया कि क्लीनिक की स्थापना रोहतक के मंडल बाल कल्याण अधिकारी अनिल मलिक करेंगे। इसके बाद विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए बढ़ती उम्र, बढ़ते विचार, किशोरावस्था के बदलावों को समझने की आवश्यकता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

अटेली नपा चेयरमैन मामला: हाईकोर्ट ने 6 माह में चुनाव याचिका निपटाने के दिए निर्देश

- मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी व न्यायमूर्ति विकास सूरी की खंडपीठ ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी अटेली

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में भूपेश की ओर से उनके विरोध में जीते वर्तमान चेयरमैन संजय गोयल के चुनाव को अयोग्य घोषित करवाने के लिए संबंधित चुनाव आयोग व संबंधित अधिकारियों के प्रति एक चुनाव याचिका से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी उपायुक्त महेंद्रगढ़ को निर्देश दिया है कि वे याचिकाकर्ता की ओर से दायर याचिका का निपटारा छह माह की अवधि में करने का प्रयास करें। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी व न्यायमूर्ति विकास सूरी की खंडपीठ ने की। अदालत में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता चंदरहास यादव उपस्थित रहे, जबकि हरियाणा सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनुपाल ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ता भूपेश की प्रार्थना थी कि उसकी चुनाव याचिका का शीघ्र निपटारा किया जाए, जिससे उसे किसी प्रकार का पूर्वाग्रह न हो। अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करने के बाद यह निर्देश दिए कि संबंधित प्राधिकरण मामले में दोनों पक्षों के सहयोग के आधार पर छह माह के भीतर फैसला करने का हरसंभव प्रयास करें।

कनीना। ललिता देवी को सरकार की ओर से जारी किया गया कार्ड।

बस परिचालक नहीं मानते लोकतंत्र सेनानी का पास

कनीना। हरियाणा के विभिन्न सड़क मार्गों पर सरपट दौड़ने वाली स्टेट कैरिज बसों के परिचालक हरियाणा सरकार की ओर से जारी पास को नहीं मान रहे है। जिससे पास धारकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे अनेक मामले सामने आते रहे हैं। कभी विद्यार्थियों से किराया वसूली तो कभी लोकतंत्र सेनानी जैसे व्यक्तियों से किराया वसूली की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसा ही वाक्या कनीना मंडी निवासी लोकतंत्र सेनानी हरिराम मित्तल की वीरांगना ललिता देवी के साथ घटित हुआ है। हरियाणा सरकार की ओर से उन्हें शुभ्र ज्योत्सना कार्ड जारी कर राज्य परिवहन व स्टेट कैरिज बसों में एक सहायक सहित दो जनों को फ्री यात्रा की सुविधा जारी की गई है। जिसके मुताबिक लोकतंत्र सेनानी की वीरांगना ललिता देवी शनिवार को दोपहर करीब दो बजे कनीना से रेवाड़ी जाने के लिए स्टेट कैरिज बस में सवार हुई। जहां बस परिचालक ने उनके बस पास को दरकिनार कर दिया और दबंगई दिखाते हुए किराया वसूली की। ललिता देवी ने बताया कि बस पास को नजरअंदाज करने वाले परिचालक की शिकायत आरटीओ कार्यालय नारनौल, जीएम नारनौल व रेवाड़ी सहित प्रदेश के परिवहन मंत्री व सीएम से की गई है।

टीबा बसई में बड़ा सड़क हादसा, धार्मिक कार्यक्रम में जा रहे थे लोग

डंपर व बोलेरों की टक्कर में दर्जनों घायल, भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

जिला की सीमा से सटे राजस्थान के गांव टीबाबसई में रविवार दोपहर को एक डंपर और बोलेरो की जबरदस्त भिडंत हो गई। हादसे में बोलेरो में सवार करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को पहले खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल ले जाया गया।

जानकारी के मुताबिक डाडा फतेहपुरा निवासी शायर सिंह और उनका परिवार हरियाणा के धड़ौंदा में जागरण और स्वामणी कार्यक्रम में जा रहे थे। मेहाड़ा से निकलते समय सामने से आ रहे डंपर से उनकी गाड़ी टकरा गई। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को बुलाया और मेहाड़ा पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में 25 वर्षीय पूजा, 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला सुरती, तीन साल का बच्चा केशव, पांच साल की बच्ची माही, 65 वर्षीय बुजुर्ग मंगलचंद, 30 वर्षीय व्यक्ति आनंद सिंह और 20 वर्षीय युवक राहुल की हालत गंभीर होने पर उन्हें झुंझुनूं रेफर किया गया। एक अन्य घायल सुमन का खेतड़ी में ही इलाज चल रहा है। हादसे में बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। थानाधिकारी भजनाराम ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तीन एम्बुलेंस की मदद से खेतड़ी उपजिला अस्पताल लाया गया। एक साथ इतने घायल पहुंचने से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। वहीं अस्पताल में पीएमओ अक्षय शर्मा के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम तुरंत घायलों के उपचार में जुट गई। घायलों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। वहीं अस्पताल के कर्मचारी भी इलाज में लगातार सहयोग करते रहे।

नारनौल। खेतड़ी अस्पताल में घायलों का उपचार करती स्वास्थ्य टीम।

ओवरलोड डंपर का बना है खौफ

जिला में नांगल चौधरी क्षेत्र में तो ओवरलोड डंपर का खौफ है ही, राजस्थान में भी यहीं हाल है। इस क्षेत्र में खनन क्षेत्र होने की वजह से दिन रात बेखौफ ओवरलोड डंपर दौड़ते रहते है। जिनसे आए दिन राहगीर हादसे का शिकार हो जाते है। इन ओवरलोड डंपरों ने अब तक अनेक लोगों की जिंदगी परिवार से छीन ली है। लोग ओवरलोड के खिलाफ अनेक बार प्रदर्शन भी कर चुकी है लेकिन मिलीभगत के चलते इन पर कोई लगाम नहीं कसी जाती।

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

सांग पुरोधाओं में शुमार रहे निहालचंद 'निहाल'

भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से निहालचंद 'निहाल' का काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय रहा है।

कला-संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

साहित्य समाज का दर्पण होता है और लोक-साहित्य लोकजीवन का दर्पण होता है। लोकजीवन में जो कुछ घटित होता है उसका पूरा ब्यौरा लोक-साहित्य में समाहित रहता है। लोक-साहित्य की अनेक विधाएं हैं, जैसे लोकगीत, लोककथाएं, लोकगाथाएं एवं लोकनाट्य आदि। पर लोकनाट्य अर्थात सांग सभी कलाओं का समुच्चय है।

इसमें गीत, संगीत, कथा, नृत्य आदि सब कुछ समाहित रहता है इसलिए लोकजीवन में सबसे ज्यादा प्रभाव लोकनाट्य का पड़ता है। हरियाणा का सांग साहित्य कभी से बड़ा प्रसिद्ध रहा है। यहां पर अनेक महान सांगी हुए हैं, जिन्होंने इस कला को पोषित करने में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इन्हीं में से एक थे सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल'। निहालचंद 'निहाल' की गणना अपने समय के महान सांगियों में होती है। इनका जन्म 21 अक्टूबर, 1887 को गांव नांगल ठाकरान में एक गौड़ ब्राह्मण किसान परिवार में हुआ। सांग के क्षेत्र में इनका ऐतिहासिक बहुमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। इन्होंने हरिश्चंद्र, राजा उत्तानपाद, नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, भगत पूर्णमल, चाप सिंह, रामलीला, कृष्णलीला, महाभारत, राजाभोज-शरणदे, सरवर-नीर, चंदकिरण, ज्यानी चोर, जमाल-गबरू, गोपीचंद तथा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आदि सांगों तथा अनेक मुक्तक भजनों की रचना की।

काव्य के भावपक्ष व शिल्पपक्ष की दृष्टि से इनका काव्य बेजोड़ है। भारतीय संस्कृति के उदात्त जीवन मूल्य, अध्यात्म, गुरुभक्ति, समाज-सुधार, नीति, नारी-सम्मान, देशभक्ति, युगबोध का चित्रण पग-पग पर अवलोकनीय है। हरियाणा समेत समस्त उत्तर भारत में इनके सांग होते थे। उस समय इनके सांगों की हर जगह धूम मची हुई थी और बाल व वृद्ध सभी बड़े चाव से इनके सांगों को देखते थे।

निहालचंद 'निहाल' ने अपनी खुली आंखों से लोकजीवन को देखा, जीया, जांचा और परखा तथा अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने अपने सांगों में लोक संस्कृति का प्रभावात्मक चित्रण किया जिसकी चहुंदिशा में प्रशंसा हुई। यही नहीं हरियाणा के सूर्यकवि पं. लखमीचंद जैसे लोकनाट्य कला के महारथी ने भी उनके पास रहकर सांगकला की बारीकियों को सीखा। इसका उल्लेख हिंदू विश्वकोश कोलंबिया (यू.एस.ए) में हुआ है। ऐसे महान कलाकार के लोक साहित्य के लिए किए गए योगदान को यहां प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

निहालचंद 'निहाल' का समय स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए बड़े संघर्ष का समय था। सभी भारतीय अपने-अपने तरीके से स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु प्रयास कर रहे थे। निहालचंद 'निहाल' भी अपने सांगों के माध्यम से अनेक अमर बलिदानियों के उदाहरण देकर लोगों को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए और स्वदेशी सामान का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। उन्होंने देशभक्ति की काफी

रचनाएं की और देश की आन, बान और शान पर मिटने वाले 'महाराणा प्रताप' का देशभक्ति प्रेरक सांग बनाया और अभिनीत किया। अपने भजनों में अंग्रेजों की खिलाफत की, जिसके कारण इन्हें, उनके क्रोध का भाजन भी बनना पड़ा। कई बार ऐसा न करने की चेतावनी मिली। उसके बाद गिरफ्तार भी कर लिए गए। इनकी देशभक्ति की रागनियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी गई। दर्शनीय है इनकी यह रचना-

भाइयो हो ज्याओ सब त्यार,
देश माँगता कुर्बानी ।।
सिर पै कफन बांध ल्यो सारे।
इंकलाब के लाओ नारे।
गोर्यां नै घणे जुल्म गुजारे।
मारे बहोत घणे नर-नार,
होगे अमर बलिदानी ॥

निहालचंद 'निहाल' के सांगों में न्यूनाधिक मात्रा में सभी दर्शनों का उल्लेख हुआ है। साक्ष्यार्थ उनकी एक रचना प्रस्तुत है; जिसमें सत, रज, तम की त्रिगुणी माया, पंच भूत, दस इंद्रियों, पच्चीस प्रकृति आदि का वर्णन है-

उस निराकार परब्रह्म की छाया मिल गई।
पाँच तत्त्व जिनमैं त्रिगुणी माया मिल गई।
शहंशाह बण्या तू रय्यत राया मिल गई।
राजधानी सुन्दर नगरी काया मिल गई।
हाड माँस मज्जा रक्त और चाम-चाम-चाम ।।
मानज्या भजै नै मन राम - राम - राम ।।

मनुस्मृति में वर्णाश्रम व्यवस्था का पूर्ण उल्लेख हुआ है। निहालचंद 'निहाल' ने अपने एक भजन के माध्यम से हमारी प्राचीन सामाजिक व्यवस्था को इस प्रकार प्रस्तुत किया है-

ब्राह्मण के छः कर्म वेद का पढ़णा और पढ़ाणा था।
वेदशास्त्र मनु - स्मृति गीता ज्ञान सुणाणा था।
दान का देणा खुद भी लेणा यज्ञ करणा, करवाणा था।
थी ब्रह्म की पहचान शील संतोष दयालु बाणा था।

पतिव्रत-धर्म नारी की उत्कृष्टता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान है। निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति के इस जाज्वल्यमान पक्ष को पतिव्रता द्रौपदी के माध्यम से उजागर किया है-

सुणै कथा भागवत ग्रहस्थ धर्म सीखै और हमें सिखावै।
आशा, तृष्णा, दुबधा, दुर्मति की नहीं तरफ लखावै।
नित अमृत भर्या रहै जिव्हा मैं चाखै और चखावै।
रवि, मंगल, पून्नम, एकादशी का राखै व्रत रखावै।
गऊ ब्राहाण साधू नै जिमा अँजल करै ब्रतीबासी ।।

हमारे लोकजीवन में आचरणीय और माचरणीय बातों की एक लम्बी श्रृंखला है। सज्जन लोग सदाचार की राह पर चलते हैं और दुष्ट सदा इसके विपरीत। अतः हमारी रीतिनीति को निहालचंद 'निहाल' ने इस प्रकार विवेचित किया है-

बेमतलब बेकाम जीत और हार नहीं करणी चाहिए।
सुण कायदे से बाहर नार की सार नहीं करणी चाहिए।
धाय वैद्य रसोइया मित्र से तकरार नहीं करणी चाहिए।
दस पाँच आदमी मना करैं वा कार नहीं करणी चाहिए।

> दादी सती मंदिर और दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

भारतीय संस्कृति में मानवीय मूल्यों का बड़ा महत्त्व है। इसी सिद्धांत को अपनाते हुए निहालचंद 'निहाल' ने भारतीय संस्कृति में अनुस्यूत नैतिक मूल्यों की स्थापना की है। प्रमाण स्वरूप उनकी यह रागनी देखिए-

धीरज धर समय पड़ी मैं रै ।।
कड़वा बोलै विष घुलज्या।
आगै भली बुरी सब खुलज्या।
तुलज्या सत्त धर्म धड़ी मैं रै ।।

एक माँ के हृदय में अपनी संतान के प्रति अगाध वात्सल्य होता है। उसकी झलक निहालचंद 'निहाल' की इस रागनी में मिलती है। इसलिए बेटे के मरने का दुख व उस असहनीय स्थिति को उन्होंने निम्नलिखित रचना में इस प्रकार दर्शाया-

बेटा तेरे बिन रोहतास, रही ना तेरी माँ किसे दीन की, मरूँ कित टक्कर मारकै ।।

निहालचंद 'निहाल' के काव्य का भाव-पक्ष तो सबल था ही, उनका अभिव्यक्ति पक्ष एवं काव्य-सौंदर्य पक्ष भी दर्शनीय था। महारानी सुदेष्णा, सैरन्ध्री (द्रौपदी) के सौंदर्य की समता कभी ब्रह्माणी (सरस्वती), इन्द्राणी, लक्ष्मी, पार्वती और अग्नि की पत्नी स्वाहा से करती है, तो कभी उसे देवलोक की अप्सरा बताती है और उसके आंगिक सौन्दर्य को इस प्रकार उद्घाटित करती है-

तेरा नाक सुआ-सा मुँह बटवा-सा सुर्ख लबों पै लाली।
मिजगां के तीर अबरू कमान, दो जुल्फ नाग-सी काली।
तेरी तिरछी नजर प्रेम की चितवन, वार नहीं जा खाली।
कहै निहालचंद उस बेमाता नै तू घड़ी बैठ कै ठाली।
सुण कोयलबैनी मृगनैनी, तेरै घली कुदरती स्याही ।।
इस दुनिया मैं इतनी सुथरी कोन्या और लुगाई ।।

कीचक और सैरन्ध्री के संवादों में तो संयोग-श्रृंगार मानो जीवन्त ही हो उठा है। कीचक का सैरन्ध्री को रति-रण के लिए आमंत्रण में तो मानो श्रृंगार रस का सोता ही फूट पड़ा है। देखिए-

वो बाजीगर खेल रचावै, काम रति का मेळ मिलावै,
सैरन्ध्री म्हारै कद-कद आवै, दुख-सुख बुझूँ दारू पिलाकै।
सुकड़ रही सर्दी की मारी, काया खुलज्यागी गर्माकै ।।
बिछ रहे पिलंग निवारी सोइये, उठकै मुख साबुण से धोइये,
बाळ-बाळ मैं मोती पिरोइये, गूँथ लिए सिर चोटी न्हाकै।
लाइये तेल फुलेल शरीर मखमल सा हो ज्यागा नरमा कै ।।

करुण रस के छिटपुट प्रसंग तो इनके सभी सांगों में समाहित हैं, किन्तु महाभारत एवं विराट पर्व में इस रस का मार्काखेज वर्णन है। कीचक वध के उपरांत उसके भाई द्रौपदी को कीचक की अर्थी के साथ जीवित ही कीचक की चिता में झोंक देने की ठान लेते हैं। ऐसी हृदय विदारक स्थिति में असहाय द्रौपदी भगवान को टेरने के अतिरिक्त और कर भी क्या सकती है। निहालचंद 'निहाल' की अग्रदत्त रागनी में मानो करुण रस साकार हो उठा है-

बड़ी जोर से दान्ने चले, शमशान भूमि आ गई।
सती रुदन कर हारी बिचारी, फूल ज्यूँ कुम्हला गई ।।
बुलबुल फंसी है जाल मैं, नहीं बस चलै अब क्या करूँ।
रस्ता बता परमात्मा, मेरी आत्मा दुख पा गई ।।
कहैं निहालचन्द करता तू ही, मारै तू ही मरता तू ही।
अद्भुत प्रभु लीला तेरी, बुद्धि मेरी चकरा गई ।।

जीवन के अंतिम पड़ाव पर ये लोककल्याण एवं भक्तिभावना में लीन हो गए। इन्होंने जगह-जगह पीपल एवं बरगद के पेड़ लगाए तथा प्रतिदिन लोगों को गीता, महाभारत रामायण एवं पौराणिक कथाएं सुनाने लगे। सांग-पुरोधा निहालचंद 'निहाल' 24 फरवरी 1995 को अपने परिवार को भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश सुनाते-सुनाते ब्रह्मलीन हो गए।

उनके कर-कमलों से दादी सती मंदिर व दादा मालदेव मंदिर नांगल ठाकरान में लगाए गए बरगद के विशाल वृक्ष उनके प्रकृति प्रेम के साक्षी हैं तथा लोगों के जेहन में अब भी उनकी स्मृति को ताजा करते रहते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सांग की जिस ज्योति को निहालचंद 'निहाल' से पूर्व सांगियों ने प्रज्ज्वलित किया था, निहालचंद 'निहाल' ने उसमें अपनी साहित्य एवं काव्य साधना का घृत डालकर उस ज्योति को प्रकाशमान रखने का पूर्ण एवं सफल प्रयास किया है।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

कुत्यां की पंचायत

झबरू बोल्या माणस जात नै, कर दिये घाव कसूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग होण तैं पहल्यां थमनै, बात ज्ञान की कह ज्यांगे,
हम तो दूर चले जांगे, पर कुत्ते फेर भी रह ज्यांगे।
ईश्वर थारा भला करैगा, बसो-घसो सुख मौज तैं,
म्हारै साथ किसी ए बण लियो, सारी हँस के सह ल्यांगे।
जै म्हारी कोए गलती हो तो, बेशक मारो जूते।
करण फ़ैसला बैठ गए मिल कै, दिल्ली के कुत्ते।

न्यारी करल्यो फैमिली आई.डी, न्यारे राशन कार्ड हों,
अलग हो सीमा, अलग बसासत, अलग गांव और वार्ड हों।
सारी सुविधा वो ल्यांगे, जो माणस जात नै मिलरी सैं,
जो म्हारे नेता और मंत्री, उनके भी बॉडी गार्ड हों।
इबी भी ना जागांगे तो, रह जावांगे सुते।
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

अलग करो हदबस्त हमारी, खेवट तक भी न्यारी हों,
हम भी करल्यां पेट गुजारा, बोवण नै कुछ क्यारी हों।
माणस, छाणस नहीं काम के, इनकी पैड़ चालियो ना,
अपनी पंचायत के अंदर, सारी बात ब्यौहारी हों।
भोत रह लिए इनकै भरोसै, इब अपणै बलबूते,
करण फ़ैसला बैठ गए, मिल कै दिल्ली के कुत्ते।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जंग की उमंग

आज अचानक त्यारी करली मां के जाये बीर तनै
छुट्टी छौड़ अधूरी बहना जाणा सै कश्मीर मनै

छुट्टी छौड़ अधूरी भाई आज क्यूकर होग्या जाणा
सीओ साहब की चिट्ठी आई चाहिए फर्ज निभाणा
इस चिट्ठी में के लिख राख्या चाहिए भेद बताणा
कारगिल में दुश्मन आकै करण लगा धिगताणा
देश की रक्षा करणी सै या लिखा ल ई तकदीर तनै
देश कै उपर अर्पित करणी तन मन की जागीर मनै

देश की रक्षा करणी चाहिए बता कौण तनै नाटै सै
ताक़त शस्त्र दुश्मन आगै बिरला ऐ दिल डाटै सै
कायर और निडर नै भाई या रणभूमि छाटै सै
हे रण मैं चढज्या खून उबलके जब बेरा पाटै सै
दुनिया म्हा तै दुश्मन का ठाणा सांझा शीर तनै
तेरे बोला का मेरी छाती मैं गाड़ लिया तीर मनै

मां का दूध लजाइये मतना जब तनै जाणु मैं
कायर भाजे पिठ दिखाकै रण में छाती ताणु मैं
मेरे मन की चाही पुरी करदे याहे बात बखाणु मैं
गेरु गोले ओले सोले हे बणज्यागा परमाणु मैं
या सारी दुनिया जाणै सै भारत के रणधीर तनै
सदा तिरंगा सजा रहे या लौह की समझ लकीर मनै

केसर क्यारी कश्मीर हमारी दुश्मन के चाहवै सै
वो धोखा देकै आ बैठा के धोखे तै थावै सै
जल्दी करकै जा भाई क्यू सहम वार लावैसै
यो महेंद्र सिंह बिलोटे आला सिर बिस्तर ठावै सै
जाते जाते अपने हाथा देऊ पिला नीर तनै
जीत लड़ाई तेरे हाथा का खाणा हलवा खीर मनै

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

1857 का संग्राम

अंग्रेजों ने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए की थी रवाना

रोहतक के किले में लगाया था रांघड़ों ने मोर्चा

इतिहास | यशपाल गुलिया

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मई 1857 में आरम्भ हुआ था, तब स्वतंत्रता सेनानियों ने दिल्ली को अंग्रेजों से मुक्त करवा लिया था, जो केवल चार मास तक ही कायम रहा। अंग्रेजों ने दिल्ली पर फिर से अधिकार करने के लिए पंजाब के देशी शासकों से सैन्य सहायता प्राप्त की तथा दिल्ली के बाहर बाड़ा हिन्दुराव के स्थान पर पड़ाव लगा लिया था।

दरअसल, दिल्ली की चारदीवारी के अन्दर सेनानियों का कब्जा था जिन्होंने उस अंग्रेज सेना से बाहर निकलकर अनेक बार युद्ध किए थे। उस अंग्रेज सेना को पीछे से आक्रमण का भय बना रहता था, जिसके लिए उन्होंने नजफगढ, खरखौदा तथा रोहतक तक सेनानियों से युद्ध करने पड़े थे। तब तक रोहतक का किला भी बेहतर अवस्था में था। उसी किले में आस-पास के रांघड़ों ने मोर्चा लगा लिया था। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजों की प्रथम पंजाब कवैलरी केवल रोहतक के आसपास रांघड़ों द्वारा गठित थी। यह 1857 में मऊ में तैनात थी तथा वे सभी बगावत करके अपने हथियारों सहित रोहतक व खरखौदा आदि क्षेत्रों में संगठित हो गए थे। खरखौदा में बिसारत में अली नामक रांघड़ तथा रोहतक में बबर खां नामक व्यक्ति ने युद्ध सामग्री के साथ-साथ नेतृत्व का निर्णय ले लिया। दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को जब रांघड़ों की तैयारियों का पता लगा तो उन्होंने कर्नल हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक के लिए भेज दी। उस सेना में केवल अधिकारी अंग्रेज थे, जैसे मैकडोवल, लेफ्टिनेंट वाईज, कैप्टन वार्ड व लेफ्टिनेंट हफ गफ आदि। जबकि सैनिक भारतीय देशी शासकों द्वारा भेजे हुए थे।

इस प्रकार आदेशानुसार हड़सन ने दिल्ली से 14 अगस्त 1857 को रोहतक के लिए प्रस्थान किया। लेकिन 15 अगस्त को अंग्रेज सेना का

रोहतक के किले का वासतविक चित्र जोकि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

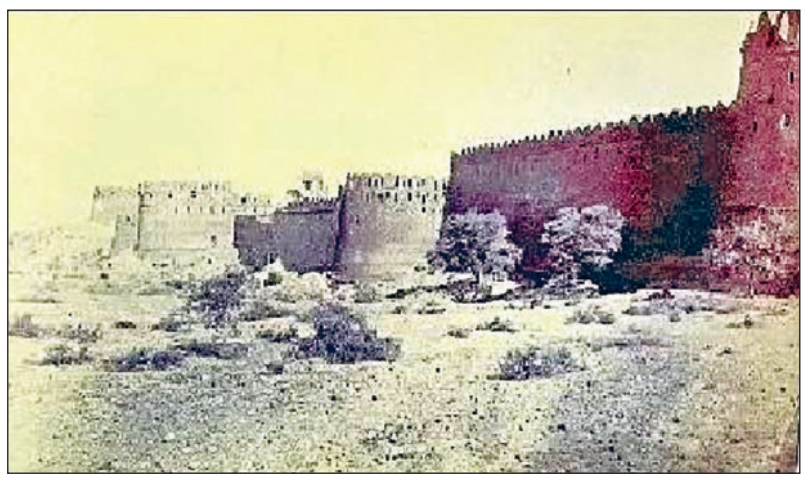

> छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका।

प्रस्थान खरखौदा में ही हो गया। विसारत अली के नेतृत्व में आस-पास के हसनगढ़ आदि के रांघडों ने हड़सन की सेना पर भीषण प्रहार किए लेकिन हथियार आदि के अभाव में खरखौदा के युद्ध में सेनानियों की पराजय हुई और अंग्रेज सेना 16 अगस्त को रोहतक को कुच कर गई। वहां जाकर हड़सन की सेना ने पुरानी कचहरी वाले स्थान पर पड़ाव लगा लिया। जबकि बबर खां के नेतृत्व में इकट्ठे हुए रांघड़ व पठानों ने किले में मोर्चा लगा रखा था। इनमें बागी सैनिकों के अतिरिक्त सिविलियन भी शामिल थे। एक अंग्रेज लेखक के अनुसार रोहतक में 300 घुड़सवार तथा 700 बन्दूकधारी इकट्ठे हो गए थे। अंग्रेज कमान्डर हड़सन ने सेनानियों की तैयारी देखकर 18 अगस्त को पीछे हटने का दम्भ भर दिया। इसके बाद किले से बाहर निकलकर सेनानियों ने अंग्रेज सेना पर आक्रमण कर दिया। लेकिन छलावे की रणनीति के कारण हड़सन की सेना ने रोहतक वालों को दो तरफ से घेर लिया और कुछ समय तक 18 अगस्त को भीषण युद्ध हुआ। इसमें सेनानियों को भारी हानि के बाद पराजय का मुंह देखना पड़ा। परन्तु रोहतक के किले पर कुछ बन्दूक धारियों की उपस्थिति के कारण वहां पर अंग्रेजों का कब्जा नहीं हो सका। अंग्रेज सेना जसीया गांव की तरफ से सोनीपत की ओर कूच कर गई। यहां उल्लेखनीय है कि झज्जर व दुजाना के नवाबों ने तब कोई भूमिका अदा नहीं की और ना ही रांघडों व पठानों की किसी अन्य समुदाय ने सहायता की थी।

आश्चर्य की बात ये है कि 1857 के ऐसे भीषण युद्धों का पाठय पुस्तकों में भी वर्णन नहीं किया गया। जबकि खरखौदा के युद्ध में तो चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस पदक भी मिला था।

संस्कृति को जीवंत करने का माध्यम है हास्य कला : आजाद दूहन

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए लोक कलाकारों ने अपनी अलग-अलग विधाओं में समाज को भी नई दिशा दी है। ऐसे ही कलाकारों में हास्य कलाकार आजाद दूहन हरियाणवी संस्कृति का संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। हरियाणवी चुटकुला सम्राट के रूप में अपनी पहचान बना चुके रेडियो कलाकार आजाद सिंह दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर करते हुए कहा कि किसी भी विधा में कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता तथा परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश देना संभव है।

लोक कलाकार आजाद सिंह दूहन का जन्म 2 अक्टूबर 1972 को हिसार जिले के गांव बनभौरी में एक किसान परिवार में श्रीचंद और रोशनी देवी के घर में हुआ। ग्रामीण पृष्ठभूमि में गांव में पले-बढ़े आजाद के परिवार में उनके दादा खेती करते थे और पिताजी श्रीचन्द्र मुख्य अध्यापक से सेवानिवृत्त हुए, जो अब परिवार में खेती बाड़ी करते आ रहे है। भले ही उनके परिवार में कोई साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा जी बचपन में उन्हें कहानियां सुनाते थे और उनसे भी कविताएं सुनते थे। घर में उनकी माता एक कुशल गृहणी रही हैं। इसलिए उनकी बचपन से ही संस्कृति एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति अभिरुचि रही है। बकौल आजाद सिंह, उनकी प्राइमरी शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से हुई। जबकि इंटरमीडिएट बरवाला के स्कूल और एमएसएसी(भूगोल) में राजकीय कालेज हिसार से उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने जाट कालेज से बीएड की डिग्री हासिल की। बीएड के आधार पर आजाद एक शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए और फिलहाल वे पनिहारी के प्राइमरी स्कूल में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। उनकी कला का यह सफर 1988 से शुरू हुआ, लेकिन 1990 में यह सफर राजकीय महाविद्यालय हिसार में उड़ान भरता नजर आने लगा, जहां उनके गुरु प्रो. प्रोफेसर गुगनराम गोदारा ने उन्हें हास्य कला के लिए बेहद प्रोत्साहित किया है और उनके मार्गदर्शन एवं सानिध्य में ही 'हरियाणवी नाटक, मंच संचालन, हरियाणवी हास्य में विशेषकर चुटकलों में भाग लिया। उनका कहना है कि शुरुआती दौर में उन्होंने परिवार को बिना बताये डरते-डरते लोक कला क्षेत्र कदम रखा, लेकिन धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। 1993 में वह बिना बताए घर से नैनीताल कैंप में भाग लेने के लिए गये। उन्होंने फिल्म ऐपरिशियेशन वर्कशाप में भाग लेकर अभिनय की बारीकियां सीखी और इसी साल राष्ट्रीय यूथ लिडरसीप कैम्प नैनीताल में सर्वश्रेष्ठ कैम्पर का पुरुस्कार हासिल किया। हालांकि इससे पहले उन्होंने साल 1988 में दसवीं कक्षा के दौरान विद्यालय स्तर पर राजकीय उच्च विद्यालय बरवाला में पहली बार मंच से कविता सुनाई थी। उसके बाद युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लिए लिया और यह युवा संसंद पूरे राज्य में प्रथम आई, जिसमें उन्होंने लोकसभा महासचिव के किरदार की भूमिका निभाई। आज वह एक रेडियो कलाकार के रूप में प्रदेश के

सम्मान और पुरस्कार

हरियाणा सरकार से चुटकुला सम्राट पुरस्कार और हरियाणा गौरव पुरस्कार से अलंकृत आजाद सिंह दूहन को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में रत्नावली हरियाणवी संस्कृति पुरस्कार भी मिल चुका है। वहीं कुरुक्षेत्र विविद्यालय में दूहन को सर्वश्रेष्ठ एक्टर के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड भी दिया जा चुका है। हरियाणवी संस्कृति उपलब्धियां के आधार पर राज्य संस्कृति पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर अशोका सांस्कृतिक अवार्ड से भी उन्हें नवाजा जा चुका है।

सभी विश्वविद्यालयो के सांस्कृतिक निर्णायक मंडल में भी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं मंचों पर उनकी हास्य व्यंग्य प्रस्तुति का मूल उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार एवं हरियाणवी संस्कृति एवं प्रकृति को बढ़ाना है। हरियाणवी हास्य नाटिका के मंच से लगातार पांच वर्ष तक हरियाणा दिवस पर चुटकुले सुनाने में प्रथम रहा। इस उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा साल 1995 में उन्हें चुटकुला सम्राट के पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने सातवें राष्ट्रीय युवा उत्सव का भी संचालन किया। यही नहीं, उन्होंने लगातार पांच साल तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में राज्य स्तरीय चुटकुला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर आजाद सिंह दूहन का कहना है कि इस इंटरनेट के युग में अभिनय, कला एवं संस्कृति संगीत बदलाव के दौर में है। वह संस्कृति एवं संगीत में अच्छे बदलाव के समर्थक हैं।

खबर संक्षेप

विक्रम बने अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला प्रधान

महेंद्रगढ़। अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष भूपेश पालीवाल की अध्यक्षता में वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया तथा नई जिला कार्यकारणी का गठन किया गया, जिससे कर्मचारियों की मांग के अनुसार जिला को मजबूती दी जा सके। महेंद्रगढ़ जिला की नई कार्यकारणी में जिला प्रधान विक्रम सिंह जांगड़ा नारनौल, जिला उपप्रधान अशोक कुमार लोहमरोड महेंद्रगढ़, जिला सचिव पवन कुमार कनीना, कोषाध्यक्ष कर्मवीर नारनौल, सहकोषाध्यक्ष संतोष कुमारी नारनौल, जिला प्रचार मंत्री सुरेंद्र कुमार नांगल चौधरी बनाए गए।

झाड़ली में पाबूजी महाराज का मेला 2 को

कनीना। गांव झाड़ली में दो सितम्बर को पाबूजी महाराज का मेला व जागरण किया जाएगा। इस बारे में सुरेश वशिष्ठ ने बताया कि मेले में मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव व विशिष्ठ अतिथ समाजसेवी डॉ. लालचंद जोशी होंगे। वहीं अतिथि के रूप में डॉ. रवि शर्मा, बुद्धिप्रकाश शर्मा, सुरेश कुमार, अजमेर सिंह, अतरलाल, बलवान फौजी मौजूद रहेंगे।

सर्विस रूल्स व जॉब सुरक्षा संगठन की ऐतिहासिक जीत: प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यसमिति ने की बैठक

- विभाग के चारों पावर यूंलिटी में कर्मचारियों का डाटा मांगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ की जिला कार्यसमिति की बैठक बिजली घर प्रांगण में रविवार को सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सर्वप्रथम कार्यकारी अभियंता के पिता की आत्मिक शांति, विभाग में शहीद हुए कर्मचारियों व टीचर मनीषा की आत्मिक शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण किया गया। बैठक की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा ने की। संचालन जिला सचिव कर्मवीर जाखड़ ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू, अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष कंवर पाल, प्रदेश सचिव राज ठाकुर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उदय शंकर, चिंतामणि गुप्ता, अशोक सैनी व संदीप भारद्वाज मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू ने बैठक में आए हुए सभी पदाधिकारियों को सर्विस रूल्स लागू होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि सर्विस रूल्स व जॉब सुरक्षा संगठन की ऐतिहासिक जीत है। विभाग के चारों पावर यूंलिटी में कर्मचारियों का डाटा मांगा गया है।

नारनौल। बैठक में पहुंचे संघ के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

कर्मचारियों की आवाज सरकार तक

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की आवाज को सरकार तक पहुंचाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी रही है। संगठन के प्रचार प्रसार के लिए संगठन की ओर से जारी किए गए पम्पलेट को प्रत्येक कर्मचारी तक पहुंचाया जाए। प्रदेश सचिव राज ठाकुर ने स्पष्ट कहा कि 0 से पांच वर्ष की सेवा वाले कर्मचारी बिल्कुल न घबराएं और किसी अफवाह में न आएं। संघ का हर सदस्य सुरक्षित है और संगठन अपने प्रत्येक साथी के अधिकारों के लिए संकल्पबद्ध है। जिला सलाहकार चिंतामणि गुप्ता ने कहा कि युवा कर्मचारियों की भागीदारी से संगठन का भविष्य और सशक्त होगा। प्रत्येक साथी बढ़ चढ़कर संघ में अपनी भूमिका निभाएं, एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। जिसकी बदौलत आज हमें हमारा सुरक्षित रोजगार मिला है।

प्रत्येक कार्यकर्ता इसे अपनी खुद की जिम्मेदारी समझते हुए अपना व अपने साथियों का पूरा डाटा सही और जल्दी अपलोड करवाने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाएं। प्रदेश अध्यक्ष कंवरपाल ने कहा कि संगठन की ताकत ही हमारी गारंटी है, कर्मचारियों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। सभी कर्मचारी निडर होकर सेफ्टी से काम करें और किसी बहकावे में न आएं, जो साथी अभी भी संगठन से दूर हैं उनको संगठन की उपलब्धियां बताकर संगठन को आर्थिक व संरचनात्मक रूप से और मजबूत किया जाए। संगठन हर कर्मचारी के संघर्ष में ढाल बनकर खड़ा है, किसी भी कर्मचारी के अधिकारों के साथ कभी खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

महेंद्रगढ़। टीनशेड का उद्घाटन करते पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा एवं जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार।

बाबा मेहरवाली पर आने से होती है मन की मुराद पूरी: प्रो. रामबिलास

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

बाबा मेहरवाली पर जो भी व्यक्ति सच्चे मन से आता है, उसकी मुराद अवश्य पूरी होती है और बाबा मेहरवाली के मेले में उमड़ा भीड़ इस आस्था का साक्षी भी है। यह विचार पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने गांव लावण में आयोजित मेले में व्यक्त किए।

प्रो. शर्मा ने कहा कि मेले हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक हैं और लोग आज भी उस संस्कृति का निर्वाहन कर रहे हैं। मेलों से आपसी प्रेम और सद्भावना को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के दौरान प्रो. शर्मा ने जिला परिषद फंड से ग्राम लावण में नवनिर्मित टीनशेड का उद्घाटन किया और आश्वासन दिया कि जिला परिषद से एक और टीनशेड का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने मेले में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। पूर्व शिक्षा मंत्री ने निजी कोष से 51000 रुपये का अनुदान मेला प्रबंधक कमेटी को देने की घोषणा भी की। इस अवसर पर जिला परिषद प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर प्रो. शर्मा के सुझाव और मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

स्कूलों में तंबाकू मुक्त पीढ़ी अभियान के तहत किया कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शिक्षा विभाग व रेडक्रॉस की ओर से शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शहबाजपुर तंबाकू मुक्त पीढ़ी अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रिगेड ऑफिसर अशोक कुमार ने बताया कि खंड के अनेक विद्यालयों में जागरूकता रैलियां, व्याख्यान, पेंटिंग व पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर छात्रों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य विकास जयदीप व खण्ड संयोजक डॉ. संजय शर्मा ने स्कूली बच्चों की रैली को रवाना किया। जिसमें बच्चों ने तंबाकू छोड़ो जीवन जोड़ो व स्वस्थ जीवन का आधार नशा मुक्त परिवार जैसे नारे लगाते हुए जागरूकता फैलाई। प्राचार्य विकास जयदीप ने कहा कि जीवन अनमोल है, इसे धूम्रपान जैसी लतों से गंवा देना समझदारी नहीं है। इसके अतिरिक्त राजकीय माध्यमिक विद्यालय सैदअलीपुर व रामावि दोस्तपुर में आयोजित व्याख्यानों में प्रवक्ता अशोक कुमार ने तंबाकू से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी ही समाज के भविष्य निर्माता हैं। अतः उन्हें नशामुक्त जीवनशैली अपनाकर दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। विद्यालय प्रधान अध्यापक अनिल मेहता ने कहा कि इस अभियान से विद्यार्थियों में जागरूकता के साथ साथ समाज में भी सकारात्मक संदेश जाएगा।

नारनौल। विद्यार्थियों की रैली को रवाना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। आर्य समाज भवन में यज्ञ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज यज्ञशाला में साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संग

महेंद्रगढ़। आर्य समाज की यज्ञशाला में रविवार को महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं व वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों के प्रचार-प्रसार हेतु साप्ताहिक यज्ञ एवं सत्संग का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता वेद प्रचार मंडल के जिला प्रधान डॉक्टर प्रेमराज आर्य ने की। आर्य समाज के प्रधान एवं वैदिक पुरोहित पंडित भूपेंद्र सिंह आर्य ने यज्ञ करवाया। यजमान वीर सिंह मेघनवास रहे। यज्ञ के ब्रह्मा डॉ. विक्रांत डागर ने अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष, और अभिनिवेश पांच क्लेश, जो मनुष्य को दुख देते रहते हैं, पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अविद्या इन सभी क्लेशों का मूल कारण है। मनुष्य का लक्ष्य इन क्लेशों से मुक्ति पाना है, ताकि दुख से छुटकारा पाया जा सके और शांति प्राप्त की जा सके। पंडित भूपेंद्र आर्य ने बताया कि जो व्यक्ति यज्ञ से शुद्ध किए हुए अन्न, जल और पवन आदि पदार्थों का उपभोग करते हैं, वे निरोग होकर बुद्धि, बल, आरोग्य और दीर्घायु वाले होते हैं। अग्नि में पदार्थ को डालने से उसकी शक्ति, क्षेत्रफल और गुणात्मक दृष्टि से हजारों गुणा बढ़ जाती है। डॉ. प्रेम राज आर्य ने बताया कि पर्यावरण को सन्तुलित रखने, जलवायु को शुद्ध करने तथा ग्लोबल वार्मिंग को कम करने का एकमात्र माध्यम यज्ञ है। इस मौके पर उप प्रधान वीर सिंह मेघनवास, रानी आर्या, डॉ. आनंद कुमार, सूबेदार मेजर दलीप सिंह, महेंद्र दीवान, आस्था आर्या, सक्षम, सुनील शास्त्री व किरोड़ी लाल आर्य आदि ने यज्ञ में आहुति दी।

शिव महापुराण कथा में गणेश जन्म और 12 ज्योतिर्लिंग प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

कस्बे के विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित की जा रही सात दिवसीय संश्री शिव महापुराण कथा के छठे दिन गणेश जन्म व 12 ज्योतिर्लिंगों की महिमा के दिव्य प्रसंगों सुनाया गया। कथा वाचन बागेश्वर धाम सरकार के कृपा पात्र श्रद्धेय बालव्यास गोपाल महाराज चित्रकूट वाले ने बताया कि माता पार्वती ने अपने उबटन से गणेश की रचना की और स्नान के दौरान उन्हें द्वारपाल का दायित्व सौंपा। जब भगवान शिव वहां पहुंचे तो गणेश ने उन्हें रोक दिया। इससे क्रोधित होकर शिव ने उनका सिर काट दिया। पार्वती के विलाप और क्रोध को शांत करने के लिए शिव ने गणों को जीव का सिर लाने का आदेश दिया। गणों ने उत्तर दिशा में मिले हाथी का सिर लाकर गणेश के धड़ पर स्थापित किया। इस प्रकार गणेश जी को गजानन रूप मिला और शिव ने उन्हें प्रथम पूज्य घोषित किया।

इसके साथ कथा में 12 ज्योतिर्लिंगों की महिमा का भी भावपूर्ण वर्णन किया गया। बालव्यास ने बताया कि शिव पुराण में वर्णित ये 12 ज्योतिर्लिंग स्वयं शिव के अनंत स्वरूप का प्रतीक हैं। इनके दर्शन मात्र से भक्तों के पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने हाल ही में प्रयागराज में बनाए गए पांच करोड़ 51 हजार रुद्राक्षों से निर्मित 12 ज्योतिर्लिंगों का भी उल्लेख किया, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था का नया केंद्र बने हैं। कथा के दौरान भक्तों को ऐसा लगा मानो स्वयं कैलाश धाम उनके सम्मुख साकार हो गया हो। मंदिर परिसर में शिव पार्वती विवाह व गणेश जन्म की मनमोहक झांकी भी निकाली गई।

मंडी अटेली। शिवमहापुराण कथा में गणेश जन्म की कथा सुनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

तिरंगा फहराने के बाद भी उसका सम्मान करना जरूरी

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय कलाकार एवं समाजसेवी विकास तिवाड़ी ने बताया कि तिरंगे की गरिमा, मान और सम्मान बचाए रखना तिरंगे को फहराए जाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। आमतौर पर यह प्रथा बनती जा रही है कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर तिरंगे झंडे को फहराया जाना देशभक्ति की भावना को दर्शाता है।

सरकारी स्कूलों में होगा नेशनल फोक डांस व रोल प्ले कंपटीशन

नारनौल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नेशनल फोक डांस कंपटीशन और रोल प्ले कंपटीशन का आयोजन किया जाएगा। इस संदर्भ में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हरियाणा गुरुग्राम ने राज्य के सभी डायट प्राचार्य को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि नेशनल लोक डांस और रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन शीघ्र एवं नियम अनुसार करवाया जाएं।

हरियाणा केंद्रीय विवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिवस उस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में मनाया जाता है, जब विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर के साथ चंद्रयान-3 मिशन के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरने का इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला और चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना था। इस गौरवशाली क्षण की याद में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' घोषित किया था। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने की।

लक्खी राम सोनी लगातार चौथी बार बने स्वर्णकार संघ के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

भगवान दास कॉम्प्लेक्स सर्राफा बाजार में स्वर्णकार संघ महेंद्रगढ़ की बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रधान लक्खीराम सोनी ने की। बैठक में प्रधान ने वर्ष 2024-25 का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। इस मौके पर अक्टूबर माह में श्री अजमीढ़ महाराज की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। रवि ज्वैलर्स के संचालक एवं कोषाध्यक्ष रवि शंकर वर्मा ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा और इसे सोनी धर्मशाला में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने पर नई कार्यकारिणी का गठन कया गया, जिसमें लक्खीराम सोनी को चौथी बार सभा का प्रधान चुन लिया गया। संघ के प्रवक्ता राजू सोनी और सतीश सोनी ने मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया।

इस मौके पर पुनः निर्वाचित हुए प्रधान लक्खीराम सोनी ने समाज द्वारा उन पर जताए गए भरोसे को नहीं तोड़ने का वादा किया और कहा कि समाज उत्थान के कार्यों को निरंतर जारी रखेंगे। कार्यक्रम में पूर्णमल वर्मा, देवेंद्र सोनी, विष्णु सोनी, हंसराज सोनी और अश्विनी सोनी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रधान लक्खीराम सोनी ने दो लाख रुपये तथा विष्णु सोनी ने एक लाख रुपये का सहयोग सभा को प्रदान किया।

महेंद्रगढ़। नवनिर्वाचित प्रधान लक्खीराम सोनी को सम्मानित करते हुए।

सिसोट में माता भूरा भवानी मंदिर में जागरण व मेले की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव सिसोठ स्थित माता भूरा भवानी मंदिर परिसर में आगामी नवरात्रों को लेकर मंदिर कमेटी की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंदिर कमेटी के प्रधान संदीप यादव ने की, जबकि संचालन सचिव मा. अनिल कुमार सिसोठिया द्वारा किया गया।

पूर्व प्रधान एवं संरक्षक प्रेमचंद सिसोठिया ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य 22 सितंबर से शरू होने वाले नवरात्रो के लिए मंदिर में सजावट, लाइट एवं डेकोरेशन, 29 सितंबर को माता के जागरण तथा एक अक्टूबर होने वाले मेले के दिन भंडारा और मेले में खेल प्रतियोगिता करवाने की तैयारियों की रूपरेखा तैयार करना था। महंत शक्ति नाथ महाराज ने कहा कि 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी पर गणेश जी महाराज का आगमन होगा और 6 सितंबर को गणेश विसर्जन होगा। इस दौरान में मंदिर पूजा पाठ और आरती होगी। प्रेस सचिव मुकेश चौहान ने बताया कि इस मौके पर 29 सितंबर को माता के जागरण और एक अक्टूबर को मेले व भंडारे की व्यवस्था हेतु विभिन्न जिम्मेदारियां निर्धारित की गई। लाइटिंग व डेकोरेशन की जिम्मेदारी संदीप टेंट हाउस के प्रो. मदनलाल को सौंपी गई। कलाकार बुलाने व सांस्कृतिक कार्यक्रम की जिम्मेदारी सचिव मा. अनिल सिसोठिया, कोषाध्यक्ष परमजीत व शिवकुमार को दी गई। खेलों के लिए चेयरमैन सूरत सिंह, सरपंच वीरेन्द्र कुमार, रणधीर सिंह, रामकिशन, रजनीश, नरोत्तम, सुखेसिंह, उपप्रधान विजय सिंह व उपप्रधान विक्रम सिंह को जिम्मेवारी दी गई। मेले में व्यवस्था एवं भंडारे सहयोग के लिए ललित, संदीप, जॉनी, राधे श्याम, विनोद, बजरंगी, दिनेश, रवि, संजय, अजय, विक्की व आजाद को जिम्मेवारी दी गई। प्रधान संदीप यादव ने कमेटी सदस्यों से अपील की कि वे सौंपे गए कार्यों को ईमानदारी व निष्ठा से निभाकर सभी कार्यक्रमों को सफल बनाएं।

महेंद्रगढ़। बैठक करते मंदिर कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक

महेंद्रगढ़। रविवार को मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पहुंचे सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की अगस्त महीने के रिवीजन टेस्ट की रिपोर्ट प्राप्त की तथा उत्तर पुस्तिकाओं का भी अवलोकन किया। अभिभावकों ने बच्चों की पढ़ाई से संबंधित समस्याओं के बारे में अध्यापकों से बात की। अध्यापकों ने कहा कि वे अपने घर पर बच्चों के लिए पढ़ाई का माहौल तैयार करें, ताकि बच्चों को आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में पीछे मुड़कर न देखना पड़े। अध्यापकों ने यह भी आग्रह किया कि अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखें तथा उन्हें इससे होने वाली हानियों के बारे में जागरूक करें। संस्था के निदेशक हवासिंह यादव व राजकुमार यादव ने पीटीएम में पहुंचे अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और उनके द्वारा दिए गए सुझावों का सम्मान करते हुए उन्हें लागू करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक राजकुमार यादव, प्रबंध समिति के सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार एवं प्राचार्य अनिल कुमार भी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। अभिभावक–अध्यापक बैठक में भाग लेने पहुंचे अभिभावक एवं शिक्षक।

खेल प्रतियोगिता में दो दर्जन से अधिक टीमें लेंगी हिस्सा

सात ओवर के मैच में लावन की टीम ने बल्लेबाजी करते खड़ा किया 111 रनों का विशाल स्कोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव मालड़ा में बाबा खेमचंद दास जोहड़िया मेला अवसर पर चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को भी अनेक मुकाबले हुए। खेलों की जानकारी देते हुए सुजान मालड़ा ने बताया कि प्रतियोगिता में दो दर्जन से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। बारिश के व्यवधान से खेल लेट शुरू हुए, जिस कारण ओवरों में भी कटौती की गई।

पहला मैच मालड़ा और लावन की टीमों के बीच खेला गया। सात–सात ओवर के इस मैच में मालड़ा की टीम ने क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। लावन की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में एक विकेट खोकर 111 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। रविन्द्र ने 13 गेंदों पर 38 रनों की विस्फोटक पारी खेली। मालड़ा टीम के गेंदबाज कालिया काफी महंगे साबित हुए। उन्होंने दो ओवरों में 35 रन लुटाए। धर्मेंद्र ने छक्कों की हैट्रिक लगाई। कमेटी ने उन्हें 500 रुपये नकद व ट्राफी देकर सम्मानित किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मालड़ा की टीम लावन के गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी के सामने घुटने टेकती नजर आई। उन्होंने निर्धारित ओवरों में चार विकेट पर 58 रन ही बनाए। लावन की टीम ने यह मैच 53 रनों से जीत लिया। अगले मैच में डहीना की टीम ने बेरी को 28 रनों से हराया। डहीना की टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित सात ओवरों में 5 विकेट पर 89 रन बनाए। बेरी की टीम निर्धारित ओवरों में 61 रन ही बना पाई। पड़तल और मांडोला के बीच हुए मुकाबले में पड़तल की टीम ने टास जीतकर निर्धारित छह ओवरों में चार विकेट पर 54 रन बनाए। मांडोला की टीम ने चार ओवरों में ही नौ विकेट से यह मैच जीत लिया।

महेंद्रगढ़। लगातार तीन छक्के मारने पर धर्मेंद्र को सम्मानित करते हुए।

ये रहे मौजूद

खेलों में एम्पायर की भूमिका जयविंद्र, रविन्द्र, जितेन्द्र और सुरेंद्र फौजी निभा रहे हैं। जबकि कमेन्ट्री दुलीचंद व अनिल द्वारा की जा रही है। इस अवसर पर मंगेज पुजारी, धर्मपाल यादव, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, राधेश्याम, रविन्द्र कुमार, करण सिंह, ओमपाल, सोनू, नवीन, नरेंद्र, अंकित, चंदन व बालकिशन सहित अनेक दर्शक और खिलाड़ी मौजूद थे।

सामाजिक संस्थाओं को लेकर पीएम ने चलाई अनेक योजनाएं: सांसद

नामदेवी समाज ने आयोजित किया टेलर मास्टर सम्मान सांसद ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को किया सम्मानित

■ नामदेव समाज ने सिलाई के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले समाज के लोगों को सराहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

श्री नामदेव धर्मशाला में रविवार को टेलर मास्टर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह थे। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज व सामाजिक संस्थाओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक योजनाएं चलाई हुई है। जिसके तहत कौशल योजना के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक योजनाएं चलाई है। जिसका लाभ अब इन लोगों को मिल रहा है। सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि आज सिलाई के कार्य में बड़ी बड़ी कंपनियां आ गई है। कम दाम पर सिलाई करवाकर यह कंपनियां बड़े दामों पर अपना माल बेचते हैं। इस अवसर पर नामदेव समाज के सिलाई के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राजेश कश्यप, अनिल कुमार वर्मा, अजीत सिंह रोहिल्ला, बृजलाल रोहिल्ला, बाबूलाल रोहिल्ला, हेमंत पांडला, राजेंद्र कुमार रोहिल्ला थे।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि सामाजिक संस्थाओं को सबसे पहले समाज के उन लोगों से पूछना चाहिए कि समाज के किसी व्यक्ति को कोई परेशानी तो नहीं है, घर परिवार में किसी बच्चे की पढ़ाई को लेकर समस्या तो नहीं है, साथ ही सामाजिक संस्थाओं को साल में दो आवश्यक बैठक का भी आयोजन करना चाहिए, ताकि समाज की समस्याओं और उसके उत्थान को लेकर विचार विमर्श किया जा सके। इस अवसर पर सभा के प्रधान जुगेंद्र कुमार ने सभा भवन में एक ई लाइब्रेरी व छात्रावास के निर्माण को लेकर सांसद से 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने का मांग पत्र रखा। जिस पर सांसद ने 15 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज महेंद्रगढ़ जिले की चारों विधानसभाओं से दर्जी समाज के लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अपनी एकजुटता दिखाई। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधान बाबूलाल वर्मा ने धर्मशाला निर्माण में काफी योगदान दिया था। जिसके लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया था व बधाई के पात्र है।

नारनौल। सिलाई के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति को सम्मानित करते सांसद। फोटो: हरिभूमि

यह रहे मौजूद

सम्मान समारोह कार्यक्रम में श्री नामदेव समाज ट्रस्ट के प्रधान पुष्करमल, समिति के प्रधान जुगेंद्र कुमार वर्मा, उप प्रधान प्रदीप कुमार वर्मा, सचिव डॉ. संजय कुमार वर्मा, उप सचिव पवन कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, पूर्व उप प्रधान बाबूलाल वर्मा, सदस्य दयानंद वर्मा, सुभाष रोहिल्ला, मुकेश कुमार डीपी, त्रिभुवन वर्मा, पूर्व प्रधान नीरज कोकचा, हरिद्वारलाल वर्मा, बृजमोहन, ब्रह्मप्रकाश थेपड़ा, ओमप्रकाश अटेली, किशोरीलाल अटेली, केशव वर्मा अटेली, जयदयाल वर्मा, बाबूलाल रोहिल्ला, हेमंत पांडला आदि उपस्थित थे।

अटेली में भाजपा के दो मंडलों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय में रविवार को अटेली व बाछौद मंडल की भाजपा कार्यकारिणी का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक सीताराम यादव, मनीष मित्तल मौजूद रहे। शिविर में मंडल के अनेक पदाधिकारियों को संगठन की कार्य नीति का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सीताराम यादव व अटेली मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार, अजीत कलवाड़ी, एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष कर्मवीर खींची, मुकेश कुमार गनियार, प्रदीप सराय, शमशेर सिंह जिला पार्षद प्रतिनिधि, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण शर्मा और शिवरतन मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

महात्मा रामकरण दास की याद में मेला लगाया

नारनौल। उपचार गोशाला के सामने स्थित महात्मा रामकरण दास कॉलोनी में महात्मा रामकरण दास की याद में 79वें भव्य मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह हवन किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने भाग लेकर आहुति डाली। हवन के बाद भंडारे का आयोजन किया। जिसमें दोपहर 12 बजे शाम चार बजे तक काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के बाद कबड्डी व कुश्ती बल का आयोजन किया।

गोमाता उपचारशाला में लगाई सवामणी

नारनौल। श्री गोमाता युवा उपचार सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को एडवोकेट अमित चौधरी ने गोमाता उपचारशाला नजदीक स्टेडियम में बीमार व हादसों में घायल गोवंश के लिए सवामणी लगाई गई। गोसेवक दीपक सर्राफ ने बताया कि समिति पिछले आठ साल से हर रविवार गोमाता के लिए हरे चारे की सवामणी लगाती आ रही है।

दूसरे स्थान पर रही सूरज कॉलेज की मोनिका

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा एमए इंग्लिश के चतुर्थ सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। एमए इंग्लिश के चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा मोनिका पुत्री जगराम वासी खेड़की ने 7.78 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं कॉलेज में प्रथम रही। इसी क्रम में छात्रा अंगीता पुत्री अर्जुन गर्ग ने 7.40 एसजीपीए के साथ द्वितीय तथा नरवीर पुत्र जयप्रकाश, बवाना ने 7.32 एसजीपीए हासिल कर तृतीय स्थान पाया।

श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा ने लगाया जांच शिविर

मंडी अटेली। श्री गौड ब्राह्मण के तत्वावधान में निजी अस्पताल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व परामर्श शिविर रविवार को रेलवे स्टेशन के पीछे पोस्ट ऑफिस के समीप लगाया गया। सभा के प्रधान धर्मेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि शिविर में निःशुल्क जांच, विशेषज्ञ से परामर्श, रक्तचाप, ब्लड शुगर, ईसीजी, यूएसजी जांच, अल्ट्रासाउंड, एक्स रे व फ्री दवाइयां दी गई। शिविर में डॉ. एसएस यादव, डॉ. नितिश डॉ. राकेश लाम्बा का सहयोग रहा।

कुतबापुर में भूषण मंडल व निवाजनगर में हुड़ीना मंडल प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ

कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी: रामबिलास

ओमप्रकाश यादव ने कहा अब तक हरियाणा में बनी सरकारों में भाजपा के 11 साल सब पर भारी पड़ रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के गांव कुतबापुर में भूषण मंडल व निवाजनगर में हुड़ीना मंडल प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाजपा कार्यकारिणी व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी को 1982 से लेकर अब तक भाजपा की देश व प्रदेश को लेकर योजनाओं व भाजपा के सफर को लेकर बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और यह सब भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और संघर्ष के बलबूते पर ही हो पाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अपने आपको देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मानकर पार्टी को आगे बढ़ाने तथा सरकार की नीतियों को घर घर पहुंचने का कार्य कर रहे है। शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी की मजबूती एवं नीतियों को लेकर कुछ टिप्स भी दिए। विधायक ओमप्रकाश यादव ने भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी को पिछले 11 साल में केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से विधानसभा क्षेत्र के साथ साथ हरियाणा में हुए कार्यों को लेकर अवगत कराया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अनुशासन में रहकर पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि इतिहास उठाकर देखें हरियाणा बनने के बाद जितनी भी सरकार सत्ता में रही उनके काम एक तरफ और पिछले 11 साल में भाजपा सरकार का शासन काल एक तरफ। भाजपा का कार्य उन सब पर भारी पड़ता है। प्रशिक्षण वर्ग में पहुंचे पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा व विधायक ओमप्रकाश यादव का गुलदस्ता एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर भूषण मंडल अध्यक्ष बलजीत, हुड़ीना मंडल अध्यक्ष मनोज सिहमा, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, अर्जुन प्रधान, नरेंद्र झिमरिया, पूर्व सरपंच माया सैनी आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

नारनौल। पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव का स्वागत करते कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। भाजपा भोजावास मंडल की बैठक उपस्थित कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

भोजावास मंडल कार्यकारिणी बैठक आयोजित

नारनौल। गांव मुंडियाखेड़ा में रविवार को भोजावास मंडल की कार्यकारिणी बैठक हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव ने कार्यकर्ता निर्माण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनने और उस पर अमल करने, सरकार की जनहित की नीतियों को घर घर तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने संगठन शैली व भाजपा नीतियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक दृष्टि से आज देश बहुत मजबूत हो रहा है। जिससे देश की विश्व स्तर पर छवि बहुत मजबूत हो रही है। भाजपा संगठन व चरित्र निर्माण पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक विश्व महाशक्ति बन जाएगा। जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव ने भाजपा की रीति व नीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा भाजपा कार्यकर्ता के लिए राष्ट्र प्रथम होता है। वरिष्ठ नेता राजेंद्र लांबा ने पार्टी की ओर से किए गए कार्यों व विकास योजनाओं के बारे में सभी को अवगत कराया। इस मौके पर भोजावास मंडल अध्यक्ष हरपाल यादव, धर्मवीर ककराला, दिनेश दौंगड़ा, जिला कोषाध्यक्ष पवनदेव, बाबूलाल मुंडियाखेड़ा, सनोज भोजावास, अभय सिंह मानपुरा, सुशील ढाणा, विक्रम रामबास, उमेद इसराना मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह को बुक्का देकर स्वागत करते हुए।

संगठन की चिंता करने वालों को मौका देती है भाजपा: विधायक

महेंद्रगढ़। भाजपा सतनाली मंडल की कार्यकारिणी की बैठक जमवाय माता मंदिर के पास हॉल में हुई। बैठक में मुख्य वक्ता विधायक कंवर सिंह यादव थे। जिला महामंत्री योगेश शास्त्री, जिला महामंत्री किशन लाल व यगदत्त शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। सतनाली मंडल के कार्यकर्ताओं ने सभी वक्ताओं का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजनता तक पहुंचे। हमारी सरकार ने गरीबों को ध्यान में रखकर कई योजनाएं धरातल पर उतारी हैं, ताकि आमजनता भी अपने पैरों पर खड़ी हो सके। वह भी पहले मंडल महामंत्री थे और आज सबके सामने हैं। यही संगठन की मजबूती है। संगठन सबकी चिंता करता है, जो पार्टी के अंदर लगातार रहकर पार्टी के लिए काम करे और समाज को भी मजबूत करे। जिला महामंत्री योगेश शास्त्री ने पंच परिवर्तन व सेवा पखवाड़ा पर कहा कि पंच परिवर्तन में पांच आयाम शामिल किए गए हैं।

भाजपा सरकार ने पूरे विश्व में राष्ट्र की प्रतिष्ठा बढ़ाई : दयाराम

नांगल चौधरी। भाजपा मंडल की कार्यकरिणी की प्रशिक्षण बैठक सरस्वती स्कूल में संपन्न हुई। जिसमें पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से क्रियांवित योजनाओं से अवगत कराया। कहा कि भाजपा में राष्ट्रीय एकता और समर्पण भावना का समावेश है, जिसके चलते सुरक्षा, स्वच्छता तथा शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करके राष्ट्र की विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ाई है। युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरियां देने का प्रबंध किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल प्रधान कर्मबीर यादव ने की। उन्होंने कहा कि भाजपा में परिवारवाद, क्षेत्रवाद तथा भाई भतीजेवाद की राजनीति नहीं होती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने किसान और युवाओं को उभारने का काम किया है। किसानों को केसीसी सुविधा के साथ फसल बीमा, किसान निधि तथा पैदावार बढ़ाने के लिए विकसित तकनीक उपलब्ध कराई गई है।

नांगल चौधरी। भाजपा कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क का प्रशिक्षण देते पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव।

युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची नौकरी दी: विधायक

■ नांगल सिरोही मंडल की भाजपा कार्यकारिणी की बैठक हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रविवार को नांगल सिरोही मंडल की भाजपा कार्यकारिणी की बैठक बाबा पूर्णमल गार्डन महेंद्रगढ़ में की गई। बैठक में मुख्य वक्ता विधायक महेंद्रगढ़ कंवर सिंह यादव थे। पूर्व विधायक अटेली सीताराम यादव, मंजीत यादव व नांगल सिरोही मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार विशेष मौजूद रहे। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि हमारी सरकार में गरीब से गरीब परिवार में रोजगार मिला है। भाजपा की सरकार बनने के बाद 1,80,000 युवाओं को बिना खर्ची बिना पर्ची के रोजगार दिया है और अभी पिछले दिनों हुए एग्जाम में 13 लाख युवाओं के द्वारा परीक्षा दी गई थी, जिसको सरकार ने बड़े अच्छे तरीके से संचालित किया। किसी को कोई परेशानी नहीं आने दी। भारतीय जनता पार्टी के सिपाही दिन रात संगठन के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं।

पानी की दृष्टि से हमारा इलाका सबसे पिछड़ा हुआ है। यहां पर पानी 600–700 फीट पर पानी है। हमने कोशिश की है कि हर जगह पर नहर के माध्यम से पानी पहुंचाकर जमीनी जल स्तर को ऊपर लाया जाए, जिससे किसान की आय दोगुनी हो। पूर्व विधायक सीताराम यादव ने कहा कि आने वाली 17 सिंतबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन हर स्कूल, अस्पताल, शहीद स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

महेंद्रगढ़। नांगल सिरोही मंडल की बैठक को संबोधित करते विधायक।

भोजावास मंडल कार्यकारिणी की बैठक हुई

नारनौल। गांव मुंडियाखेड़ा में रविवार को भोजावास मंडल की कार्यकारिणी बैठक हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव ने कार्यकर्ता निर्माण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनने और उस पर अमल करने, सरकार की जनहित की नीतियों को घर घर तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने संगठन शैली व भाजपा नीतियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक दृष्टि से आज देश बहुत मजबूत हो रहा है। जिससे देश की विश्व स्तर पर छवि बहुत मजबूत हो रही है।

भाजपा संगठन व चरित्र निर्माण पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक विश्व महाशक्ति बन जाएगा। जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव ने भाजपा की रीति व नीति पर जोर दिया।

जाट समाज के भाईचारा सम्मेलन में कुरीतियों को मिटाने की रूपरेखा बनेगी : लंबोरा

■ बहरोड़ रोड पर स्थित जाट धर्मशाला में 28 को कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

बहरोड़ रोड पर स्थित जाट धर्मशाला में 28 अगस्त को सुबह 11 बजे जाट समाज का भाईचारा सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें जाट आरक्षण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह दहिया व प्रदेशाध्यक्ष गंगाराम श्योराम मुख्य रूप से मौजूद रहे। आरक्षण समिति के जिला प्रधान हजारीलाल लंबोरा के नेतृत्व में कमेटी ने गांवों में जनसंपर्क करके भाईचारा सम्मेलन का निमंत्रण दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता व स्वतंत्रता में जाट समाज का बड़ा योगदान रहा है। बावजूद समाज को आरक्षण की सुविधाओं में भेदभाव झेलना पड़ रहा है। समाज के विभिन्न संगठनों ने 2017 में आरक्षण आंदोलन किया था, जिसमें समाज को विभिन्न योजनाओं में आरक्षण देने की गुहार लगाई थी,ए लंबा संघर्ष करने के बाद सरकार ने वार्ता के लिए आमंत्रित किया था। 19 मार्च 2017 को सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। जिसमें अधिकांश मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक समाज को विभागीय स्तर की योजनाओं में अनदेखी का सामना करना पड़ रहा है।

उस दौरान संघर्ष समित ने एक कमेटी का गठन किया था। जिसे छोटूराम धाम के निर्माण की जिम्मेवारी सौंपी गई थी, लेकिन अभी तक धाम की निर्माण प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है।

नांगल चौधरी। जाट समाज के भाईचारा सम्मेलन का निमंत्रण देते प्रधान।

नई टीम सहकारिता को नए आयाम देगी : प्रांत संपर्क प्रमुख

महेंद्रगढ़। सहकार भारती की जिला स्तरीय बैठक लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह में सम्पन्न हुई। बैठक में हरियाणा प्रदेश महामंत्री सौरभ भीष्म, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा उर्फ राजू राठीवास एवं प्रांत संपर्क प्रमुख सचिन महायच सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। डॉ. अरविंद यादव को जिला महामंत्री नियुक्त किया गया। जिला उपाध्यक्ष के रूप में सुरेंद्र सिंह (रामबास), एडवोकेट रेखा यादव (दीवान कॉलोनी, महेंद्रगढ़) व सविन यादव (पाएगा) को जिम्मेदारी दी गई। जिला सचिव के रूप में अरुण जोशी, दिनेश शर्मा और नरेश शर्मा, सहसचिव के रूप में अमित शर्मा, हिमांशु सोनी और रवि रामबास, कोषाध्यक्ष के रूप में राकेश तथा आईटी प्रमुख के रूप में सोनू में नाम की घोषणा हुई। महिला जिला प्रमुख किरोस्ता यादव (सिलारपुर अटेली), स्वयं सहायता समूह प्रमुख राजेश पड़तल, पैक्स प्रमुख सोहनलाल, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक प्रमुख कैलाश सोनी, सब्जी सहकारी समिति प्रमुख लोकेश सैनी, श्रमिक सहकारी समिति प्रमुख लक्ष्मीनारायण प्रजापत और जिला दुग्ध संघ प्रमुख लालचंद यादव बनाए गए। प्रांत संपर्क प्रमुख सचिन महायच ने कहा कि नई टीम सहकारिता को नए आयाम देगी और ग्रामीण अंचल तक इसकी पहुंच बढ़ाई जाएगी। महामंत्री सौरभ भीष्म ने कहा कि सहकारिता वंचितों की आवाज बनेगी और शोषण के विरुद्ध मजबूती से खड़ी होगी। जिला अध्यक्ष पारस शर्मा ने कार्यकर्ताओं से अपेक्षा जताई कि वे संगठन के विश्वास पर खरे उतरेंगे और गांव-गांव तक सहकार भारती का संदेश पहुंचाएंगे। बैठक में जिलेभर से आए कार्यकर्ताओं ने नए पदाधिकारियों का स्वागत किया और सहकारिता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

चुनाव डॉ. भीमराव अंबेडकर सेवा समिति के त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न

सतीश बने प्रधान, राजकुमार चौहान उपप्रधान चुने गए, सुरेंद्र सिंह को सचिव और विनय जेई को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव अंबेडकर सेवा समिति जोनावास के तत्वावधान में रविवार को प्रातः 10:30 बजे चुनाव अधिकारी राजेन्द्र प्रधान नौताना व सहायक चुनाव अधिकारी मनोज कुमार यादव जोनावास की देखरेख में त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न करवाए गए। निवर्तमान समिति प्रधान राजकुमार ने बताया कि सर्वप्रथम समिति का तीन वर्षों 2022 से 2025 तक का लेखा जोखा, ऑडिट रिपोर्ट, कैशबैक, लेजर, मेम्बरशिप रजिस्टर, बैंक पास बुक, अब तक की स्टेटमेंट, संस्था का पैन कार्ड, मीडिया फाइल, मेम्बरशिप रिकॉर्ड फाइल, वाऊचर फाइल, संस्था का मूल रिकॉर्ड, डोनेशन रजिस्टर, समस्त रसीद कॉपी, कार्यवाही रजिस्टर, उपलब्धि फाइल, स्टॉक रजिस्टर एवं पत्राचार फाइल आदि सभी पटल पर रखे गए, जिनका सभी उपस्थित सभासदों ने अच्छी तरह से अवलोकन किया। इसके उपरांत नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया।

महेंद्रगढ़। चुनाव उपरांत समित का रिकॉर्ड हस्तांतरण करते हुए।

यह चुनी गई कार्यकारिणी

सर्वसम्मति से चुनी गई कार्यकारिणी में प्रधान सतीश कुमार, उपप्रधान राजकुमार चौहान, सचिव सुरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष विनय जेई, मीडिया प्रभारी विकास चौहान, मुख्य सलाहकार सत्यवीर सिंह तथा कार्यकारिणी सदस्य विजय पाल प्रवक्ता को चुना गया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर नेकीराम (वीसी), विकास चौहान (वीसी), प्रदीप कुमार (वीसी), पवन कुमार, राकेश कुमार, हर्षित चौहान, अजय फौजी, कबीर, ढोला, समीर, मुकेश व वंश आदि उपस्थित रहे।

हस्तांतरित किया रिकार्ड

चुनाव होने उपरांत सभी सदस्यों की उपस्थिति में पिछले प्रधान राजकुमार ने सभा का समस्त रिकॉर्ड एवं लेखाजोखा नए प्रधान सतीश कुमार को हस्तांतरित कर दिया, जिसे स्वीकार करते हुए सभी नए पदाधिकारियों ने सदैव समाज व संस्था हित में तत्पर रहते हुए आपसी भाईचारे से आगे बढ़ने का विश्वास दिलाया। अन्त में अधिकृत दोनों चुनाव अधिकारियों को सम्मान स्वरूप महापुरुषों के चित्र भेंट किए गए। सभी नए पदाधिकारियों को उनके पद संबंधी अधिकार व कर्तव्यों की जानकारी देते हुए उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।